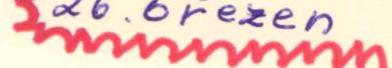


3  
26. březen  


Byli čtyři dni po prvním jarním dně,  
sluníčka svítila, tak jsme vyrášili směrem  
na Žáňov. Po cestě jsme se tak ráno  
porovdávání, že jsme se prohodili až u Žáňov-  
si. Na spálení cestě směrem <<Rybničky>>  
jsme se včili marseovku. Nejprve nám  
to nešlo do hry, ale později jsme se ji  
říci naučili. Dlouho nás ta nebařila,  
tak jsme hráli doprováčka. Do 17<sup>00</sup> hod.  
jsme dorášili k Rybníkům a kádly ode-  
šel do svého domova.

|    |      |   |      |                 |
|----|------|---|------|-----------------|
| A  | -    | L | ---  | --- --- --- --- |
| B  | ---  | M | --   | --- --- --- --- |
| C  | ---  | N | ..   | --              |
| D  | ..   | O | ---  | --- --- --- --- |
| E  | .    | P | ---  | --- --- --- --- |
| F  | ---  | R | ..   |                 |
| G  | ---  | S | ...  |                 |
| H  | .... | T | -    |                 |
| CH | ---- | U | ..   |                 |
| I  | ..   | V | .... |                 |
| J  | ---- | Y | ---- |                 |
| K  | ---  | Z | ---- |                 |